

Acharya in Samvoda code No (283)

Set No. 1

Question Booklet No.

17P/273/17

(To be filled up by the candidate by blue/black ball-point pen)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Roll No. (Write the digits in words)

2017

157

Serial No. of OMR Answer Sheet

Day and Date

(Signature of Invigilator)

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

(Use only *blue/black ball-point pen* in the space above and on both sides of the Answer Sheet)

1. Within 30 minutes of the issue of the Question Booklet, check the Question Booklet to ensure that it contains all the pages in correct sequence and that no page/question is missing. In case of faulty Question Booklet bring it to the notice of the Superintendent/Invigilators immediately to obtain a fresh Question Booklet.
2. Do not bring any loose paper, written or blank, inside the Examination Hall *except the Admit Card without its envelope.*
3. *A separate Answer Sheet is given. It should not be folded or mutilated. A second Answer Sheet shall not be provided. Only the Answer Sheet will be evaluated.*
4. Write your Roll Number and Serial Number of the Answer Sheet by pen in the space provided above.
5. *On the front page of the Answer Sheet, write by pen your Roll Number in the space provided at the top and by darkening the circles at the bottom. Also, wherever applicable, write the Question Booklet Number and the Set Number in appropriate places.*
6. *No overwriting is allowed in the entries of Roll No., Question Booklet no. and Set no. (if any) on OMR sheet and Roll No. and OMR sheet no. on the Question Booklet.*
7. *Any change in the aforesaid entries is to be verified by the invigilator, otherwise it will be taken as unfair means.*
8. *Each question in this Booklet is followed by four alternative answers. For each question, you are to record the correct option on the Answer Sheet by darkening the appropriate circle in the corresponding row of the Answer Sheet, by pen as mentioned in the guidelines given on the first page of the Answer Sheet.*
9. For each question, darken only one circle on the Answer Sheet. If you darken more than one circle or darken a circle partially, the answer will be treated as incorrect.
10. *Note that the answer once filled in ink cannot be changed. If you do not wish to attempt a question, leave all the circles in the corresponding row blank (such question will be awarded zero marks).*
11. For rough work, use the inner back page of the title cover and the blank page at the end of this Booklet.
12. Deposit only **OMR Answer Sheet** at the end of the Test.
13. You are not permitted to leave the Examination Hall until the end of the Test.
14. If a candidate attempts to use any form of unfair means, he/she shall be liable to such punishment as the University may determine and impose on him/her.

Total No. of Printed Pages : 24

[उपर्युक्त निर्देश हिन्दी में अन्तिम आवरण पृष्ठ पर दिये गए हैं।]

SEAL



17P/273/17

ROUGH WORK
रफ़ कार्य

• फरि

Acharya in Samveda code No (283)

17P/273/17

No. of Questions : 120

प्रश्नों की संख्या : 120

Time : 2 Hours

Full Marks : 360

समय : 2 घण्टे

पूर्णाङ्क : 360

Note : (1) Attempt as many questions as you can. Each question carries 3 (Three) marks. **One mark will be deducted for each incorrect answer. Zero** mark will be awarded for each unattempted question.

अधिकाधिक प्रश्नों को हल करने का प्रयत्न करें। प्रत्येक प्रश्न 3 (तीन) अंकों का है। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक काटा जायेगा। प्रत्येक अनुत्तरित प्रश्न का प्राप्तांक शून्य होगा।

(2) If more than one alternative answers seem to be approximate to the correct answer, choose the closest one.

यदि एकाधिक वैकल्पिक उत्तर सही उत्तर के निकट प्रतीत हों, तो निकटतम सही उत्तर दें।

01. प्रकृतिगानम् इति कस्य गानस्य नामधेयम् ?

- | | |
|------------------|----------------|
| (1) ऊहगानस्य | (2) ऊह्यगानस्य |
| (3) आरण्यकगानस्य | (4) वेयगानस्य |

02. वेयगाने कति पर्वाणि ?

- | | | | |
|-------|-------|-------|-------|
| (1) 3 | (2) 2 | (3) 4 | (4) 7 |
|-------|-------|-------|-------|

03. वेयगानस्य आदिमं पर्व किमस्ति ?

- | | |
|---------------|--------------|
| (1) शुक्रियम् | (2) आग्नेयम् |
| (3) ऐन्द्रम् | (4) पावमानम् |

17P/273/17

04. वेयगानस्य अन्तिमं पर्व किम् ?

- (1) पावमानम् (2) द्वन्द्वम्
(3) ऐन्द्रम् (4) शुक्रियम्

05. वेयगानस्य पावमानैन्द्रपर्वणोः मिलिता सामसङ्ख्या का ?

- (1) 584 (2) 284 (3) 484 (4) 1017

06. वेयगानस्य आग्नेयपर्वणि समुच्चिता सामसङ्ख्या का ?

- (1) 281 (2) 180 (3) 191 (4) 181

07. वेयगानस्य ऐन्द्रपर्वणि सङ्कलिता गानसङ्ख्या का ?

- (1) 533 (2) 733 (3) 631 (4) 633

08. वेयगानस्य कस्मिन् पर्वणि चतुरशीत्यधिकत्रिंशती गानसङ्ख्या विद्यते ?

- (1) ऐन्द्रपर्वणि (2) पावमानपर्वणि
(3) दशरात्रपर्वणि (4) आग्नेयपर्वणि

09. वेयगाने कियन्तः प्रपाठका विद्यन्ते ?

- (1) 14 (2) 16 (3) 19 (4) 17

10. सार्धद्विप्रपाठकात्मकं पर्व वेयगाने किमस्ति ?

- (1) ऐन्द्रम् (2) पावमानम्
(3) अग्नेयम् (4) दशरात्रम्

11. पावमानं पर्व कति गानात्मकम् ?
 (1) 384 (2) 484 (3) 374 (4) 584
12. आरण्यकगानस्य पर्वसङ्ख्या का ?
 (1) 3 (2) 7 (3) 4 (4) 5
13. द्वन्द्वपर्व कस्मिन् गानेऽस्ति ?
 (1) ऊहे (2) ऊह्ये
 (3) आरण्यके (4) वेये
14. आरण्यकगानस्य अन्तिमं पर्व किं नामधेयम् ?
 (1) द्वन्द्वम् (2) महानाम्न्यम्
 (3) शुक्रियम् (4) अक्कम्
15. आरण्यकगाने पठितानां गानानां समुच्चिता सङ्ख्या का ?
 (1) 190 (2) 390 (3) 490 (4) 296
16. आरण्यकगानस्य शुक्रियपर्वणि सामसङ्ख्या कियती ?
 (1) 44 (2) 40 (3) 54 (4) 34
17. चतुरशीतिसङ्ख्याघटितं पर्व आरण्यकगाने किमस्ति ?
 (1) आग्नेयम् (2) द्वन्द्वम्
 (3) महानाम्न्यम् (4) व्रतम्

17P/273/17

18. वेयारण्यकगानयोः संपूर्णा सामसङ्ख्या का ?

- (1) 494 (2) 1494 (3) 1414 (4) 1492

19. सेतुसाम्नः पाठः कस्मिन् गाने कृतः?

- (1) वेयगाने (2) ऊहगाने
(3) ऊह्यगाने (4) आरण्यकगाने

20. सामवेदे चतुर्षु गानेषु एकस्य मन्त्रस्य आर्चिक-पद गानानां समुच्चितः पाठः कुत्र ?

- (1) वेये (2) आरण्यके
(3) ऊहे (4) ऊह्ये

21. आर्चिकस्य आरण्यकभागे वर्णिता देवताः कियत्यः ?

- (1) 15 (2) 25 (3) 22 (4) 40

22. ऊहगानस्य दशरात्रपर्वणि सामसङ्ख्या का ?

- (1) 152 (2) 121 (3) 158 (4) 222

23. ऊह्यगानस्य दशरात्रपर्वणि सामसङ्ख्या का ?

- (1) 40 (2) 29 (3) 28 (4) 26

24. ऊहगानस्य सप्तसु पर्वसु आहत्य सामसङ्ख्या का ?

- (1) 936 (2) 836 (3) 736 (4) 1036

25. ऊह्यगानस्य सम्पूर्णा सामसङ्ख्या का ?
 (1) 104 (2) 304 (3) 250 (4) 204 वा 209
26. ऊह्यगाने कति प्रपाठकाः सन्ति ?
 (1) 23 (2) 24 (3) 27 (4) 28
27. 'महन्मे वोचो भर्गो मे वोचो यशो मे वोचः' इति कस्य ब्राह्मणस्य आरम्भवाक्यम् ?
 (1) संहितोपनिषदः (2) षड्विंशस्य
 (3) छान्दोग्यस्य (4) ताण्ड्यस्य
28. ताण्ड्यमहाब्राह्मणस्य सकला अध्यायङ्ख्या का ?
 (1) 14 (2) 25 (3) 20 (4) 30
29. ताण्ड्यमहाब्राह्मणे वर्णितो ब्राह्मणस्तोमः कतिविधः ?
 (1) 3 (2) 2 (3) 1 (4) 4
30. महेति विशेषणेन विशिष्टः ब्राह्मणग्रन्थः कः ?
 (1) शतपथब्राह्मणम् (2) वंशब्राह्मणम्
 (3) ताण्ड्यब्राह्मणम् (4) गोपथब्राह्मणम्
31. मेधातिथेः आख्यायिका कस्मिन् ब्राह्मणे समुपनिषताऽस्ति ?
 (1) षड्विंशब्राह्मणे (2) ऐतरेयब्राह्मणे
 (3) शतपथब्राह्मणे (4) तैत्तिरीयब्राह्मणे

17P/273/17

32. कस्य ब्राह्मणस्य प्रौढं ब्राह्मणम् इति व्यवहारः ?

- | | |
|-------------------------|---------------------------|
| (1) सामविधानब्राह्मणस्य | (2) आर्षेयब्राह्मणस्य |
| (3) वंशब्राह्मणस्य | (4) ताण्ड्यमहाब्राह्मणस्य |

33. अध्यायषट्कात्मकं ब्राह्मणं किमस्ति ?

- | | |
|-----------------|------------------|
| (1) छान्दोग्यम् | (2) संहितोपनिषत् |
| (3) आर्षेयम् | (4) षड्विंशम् |

34. श्येनायागस्य विवेचनं षड्विंशब्राह्मणस्य कस्मिन् अध्यायेऽस्ति ?

- | | |
|------------|--------------|
| (1) प्रथमे | (2) द्वितीये |
| (3) तृतीये | (4) तुरीये |

35. 'अथैष वज्रोऽभिचरन् यजेत' इति वाक्यं कुत्रत्यम् ?

- | | |
|--------------|----------------|
| (1) ताण्ड्य | (2) आर्षेये |
| (3) षड्विंशे | (4) छान्दोग्ये |

36. 'ब्रह्म ह वा इदमग्र आसीत्' इतिवाक्यं अष्टसु सामब्राह्मणेषु कस्मिन् ब्राह्मणे समुपलभ्यते ?

- | | |
|----------------|-----------------|
| (1) छान्दोग्ये | (2) सामविधाने |
| (3) षड्विंशे | (4) देवताध्याये |

37. सामविधानब्राह्मणस्य कस्मिन् प्रपाठ के कृच्छ्रस्वरूपमुपवर्णितम् ?

- | | |
|-------------|--------------|
| (1) प्रथम | (2) तृतीये |
| (3) चतुर्थे | (4) द्वितीये |

38. कृच्छ्रः कतिविधः ?

- | | |
|--------------|---------------|
| (1) एकविधः | (2) द्विविधः |
| (3) त्रिविधः | (4) चतुर्विधः |

39. अद्भुतशान्तिः षड्विंशब्राह्मणस्य कस्मिन् प्रपाठके समुपवर्णिता ?

- | | |
|--------------|------------|
| (1) चतुर्थे | (2) प्रथमे |
| (3) द्वितीये | (4) तृतीये |

40. सामविधानस्य सम्प्रदायप्रवर्तक आचार्यः कः ?

- | | |
|---------------|------------------|
| (1) प्रजापतिः | (2) वसिष्ठः |
| (3) गौतमः | (4) याज्ञवल्क्यः |

41. सामविधाने कस्मिन् प्रपाठके सम्प्रदायप्रवर्तकाणाम् आचार्याणाम् उल्लेखो वर्तते ?

- | | |
|--------------|-------------|
| (1) प्रथमे | (2) तृतीये |
| (3) द्वितीये | (4) चतुर्थे |

42. उपाध्यायादीन् प्रति पुरुषभाषणे कर्तव्यं प्रायश्चित्तं सामविधौ कस्मिन् प्रपाठके समुपदिष्टम् ?

- | | |
|--------------|------------|
| (1) द्वितीये | (2) प्रथमे |
| (3) चतुर्थे | (4) तृतीये |

43. 'प्रायो नाम तपः प्रोक्तं चित्तं निश्चय उच्यते। तपोनिश्चयसंयोगात् प्रायश्चित्तमितीर्यते ॥' इति वाक्यं कस्य ?

- | | |
|--------------------|---------------|
| (1) याज्ञवल्क्यस्य | (2) नारदस्य |
| (3) आङ्गीरसस्य | (4) बौधायनस्य |

17P/273/17

44. 'उपाध्यायाय ग्रामवरं सहस्रम् इतिवाक्यं सामविधानब्राह्मणस्यान्तिमप्रपाठके कस्मिन् खण्डे ?
- (1) आद्ये (2) पञ्चमे
(3) नवमे (4) चतुर्थे
45. आर्षेयब्राह्मणेऽध्यायानां सङ्ख्या का ?
- (1) 4 (2) 5 (3) 7 (4) 6
46. 'ऋषीणां नामगोत्रोपधारणम्' इतिवाक्यं आर्षेयब्राह्मणे कस्मिन्नध्याये ?
- (1) 3 (2) 2 (3) 4 (4) 1
47. आर्षेयब्राह्मणस्यान्तिमं वाक्यं किम् ?
- (1) आमहीयवं च (2) अगस्त्यस्य च राक्षोध्नम्
(3) शक्रयो वा (4) सोमसामानि चैव त्रीणि
48. देवताध्यायब्राह्मणे सावित्र्यङ्गानि कस्मिन् खण्डे उक्तानि ?
- (1) 4 (2) 3 (3) 1 (4) 2
49. छन्दसां वर्णाः देवताध्याये क्व उक्ताः ?
- (1) 3 (2) 2 (3) 1 (4) 4
50. 'ब्रह्म सत्यं च पातु' इतिवाक्यं कुत्रत्यम् ?
- (1) ताण्ड्यस्थं (2) आर्षेयस्थम्
(3) देवताध्यायस्थम् (4) सामविधानस्थम्

51. 'अथातः संहितोपनिषदो व्याख्यास्यामः इत्यत्र संहिता' शब्दस्य कोऽर्थः ?
 (1) वर्णानां परः सन्किर्षः (2) पदसमूहः
 (3) आगमः (4) आर्चिकग्रन्थः
52. 'दानेन सर्वान् कामानवाप्नोति' इतिवाक्यं संहितोपनिषद्ब्राह्मणस्य कस्मिन् खण्डे विद्यते ?
 (1) प्रथमे (2) द्वितीये
 (3) तृतीये (4) चतुर्थे
53. 'चतुर्ऋचो भवति य एवं वेद' इत्यन्तिमं वाक्यं कस्य ब्राह्मणस्य ?
 (1) छान्दोग्यस्य (2) देवताध्यायस्य
 (3) संहितोपनिषदः (4) ताण्ड्यस्य
54. 'अग्ररिव कक्षं दहति ब्रह्मपृष्ठमनदृतम्' इतिवाक्यं संहितोपनिषद्ब्राह्मणस्य कस्मिन् खण्डे ?
 (1) प्रथमे (2) तृतीये
 (3) द्वितीये (4) चतुर्थे
55. वंशब्राह्मणे कियन्तः खण्डाः ?
 (1) 4 (2) 5 (3) 3 (4) 6
56. ब्राह्मणग्रन्थानां विषयो नाऽस्ति ?
 (1) छन्दोविवेचनम् (2) विधिः
 (3) पुराकल्पः (4) प्रशंसा

17P/273/17

57. तलवकारोपनिषत् केन वेदेन सम्बद्धाऽस्ति ?

- | | |
|--------------|----------------|
| (1) ऋग्वेदेन | (2) यजुर्वेदेन |
| (3) सामवेदेन | (4) अथर्ववेदेन |

58. अधोलिखितेषु वेदानां प्राणाण्यं के न स्वीकुर्वन्ति ?

- | | |
|----------------|--------------------|
| (1) जैनाः | (2) पूर्वमीमांसकाः |
| (3) वेदान्तिनः | (4) योगिनः |

59. एतेषु सामवेदीयं श्रौतसूत्रं किं वर्तते ?

- | | |
|--------------------------|-----------------------|
| (1) कात्यायनश्रौतसूत्रम् | (2) वाधूलश्रौतसूत्रम् |
| (3) लाट्यनश्रौतसूत्रम् | (4) मानवश्रौतसूत्रम् |

60. 'वेद' शब्दव्ययपदेश्यं किमस्ति ?

- | | |
|-------------|-------------|
| (1) श्रुतिः | (2) स्मृतिः |
| (3) सदाचारः | (4) धर्मः |

61. सामविकाराः सन्ति कतिधा ?

- | | |
|------------|-------------|
| (1) त्रिधा | (2) चतुर्धा |
| (3) पञ्चधा | (4) षड्धा |

62. 'सर्वं खल्विदं ब्रह्म' इति मन्त्रं विद्यते कस्मिन्नुपनिषदि ?

- | | |
|----------------------|---------------------|
| (1) छान्दोग्योपनिषदि | (2) केनोपनिषदि |
| (3) जाबालोपनिषदि | (4) ईशावास्योपनिषदि |

63. अग्निस्वामी भाष्यकारोऽस्ति कस्य श्रौतसूत्रस्य ?
- (1) द्राह्यायणश्रौतसूत्रस्य (2) लाट्यायनश्रौतसूत्रस्य
(3) मशकसूत्रस्य (4) गोभिलसूत्रस्य
64. 'विकरणम्' इति कस्य वेदस्य भाष्यमस्ति ?
- (1) अथर्ववेदस्य (2) यजुर्वेदस्य
(3) सामवेदस्य (4) ऋग्वेदस्य
65. सामवेदस्य प्रथमो भाष्यकारोऽस्ति कः ?
- (1) माधवः (2) गुणविष्णुः
(3) सायणः (4) महावीरस्वामी
66. स्तोत्रस्य प्रकाराः कति सन्ति ?
- (1) 6 (2) 3 (3) 4 (4) 5
67. दक्षिणभारते सामवेदस्य का शाखा प्रचुरतया उपलभ्यते ?
- (1) कौथुमी (2) राणायनी
(3) उभावपि (4) जैमिनीया
68. गुणविष्णुः कस्य वेदस्य भाष्यकारोऽस्ति ?
- (1) ऋग्वेदस्य (2) शुक्लयजुर्वेदस्य
(3) कृष्णयजुर्वेदस्य (4) सामवेदस्य

17P/273/17

69. गोभिलगृह्यसूत्रे कति प्रपाठकाः सन्ति ?

- (1) 4 (2) 5 (3) 3 (4) 6

70. 'सुबोधिनी' टीकायाः रचयिता कः ?

- (1) श्रीनिवासाश्वरिः (2) भद्रनारायणः
(3) सायणः (4) रूद्रस्कन्दः

71. खादिरगृह्यसूत्रे कति पटलानि विद्यन्ते ?

- (1) 3 (2) 4 (3) 6 (4) 8

72. 'वेदेन प्रयोजनमुद्दिश्य विधीयमानोऽर्थो धर्मः'। इति धर्मस्य लक्षणं विद्यते कस्मिन् ग्रन्थे ?

- (1) अर्थसङ्ग्रहे (2) मीमांसान्यायप्रकाशे
(3) मीमांसापरिभाषायाम् (4) भाट्टतन्त्ररहस्ये

73. "ब्राह्मणं नाम कर्मणस्तन्मत्राणां च व्याख्यानग्रन्थं" इति ब्राह्मणलक्षणमस्ति कस्य ?

- (1) सायणस्य (2) महीधरस्य
(3) भट्टभास्करस्य (4) धूर्तस्वामिनः

74. "नैरुक्त्यं यस्य मन्त्रस्य विनियोगः प्रयोजनम् । प्रतिष्ठानं विधिश्चैव ब्राह्मणं तदिहोच्यते ॥"
इतिवाक्यं कस्यास्ति ?

- (1) सायणस्य (2) वाचस्पतिमिश्रस्य
(3) उदयनाचार्यस्य (4) सुरेश्वराचार्यस्य

75. सामवेदस्य देवता काऽस्ति ?

- | | |
|-------------|-----------|
| (1) इन्द्रः | (2) वायुः |
| (3) सूर्यः | (4) सोमः |

76. 'अपौरुषेयं वाक्यं वेदः' इतिवाक्यमस्ति कस्य ?

- | | |
|--------------|-------------------|
| (1) उव्वटस्य | (2) महीधरस्य |
| (3) सायणस्य | (4) भट्टभास्करस्य |

77. उमाहैमवत्याख्यानमस्ति कुत्र ?

- | | |
|----------------------|----------------|
| (1) छान्दोग्योपनिषदि | (2) केनोपनिषदि |
| (3) मुण्डकोपनिषदि | (4) माण्डूक्यो |

78. 'सा च अमश्चेति तत्साम्नः सामत्वम्' इतीदं वचनं कस्मिन्नुपनिषदि दृश्यते ?

- | | |
|-----------------------|----------------------|
| (1) बृहदारण्यकोपनिषदि | (2) छान्दोग्योपनिषदि |
| (3) केनोपनिषदि | (4) मुण्डकोपनिषदि |

79. समग्रस्य सामवेदस्य धारक आद्य आचार्यः किन्नामधेयः ?

- | | |
|------------------|----------------|
| (1) जैमिनिः | (2) वैशम्पायनः |
| (3) याज्ञवल्क्यः | (4) पराशरः |

80. सम्प्रति सामवेदस्य कति शाखाः समुपलभ्यन्ते ?

- | | | | |
|-------|--------|----------|-------|
| (1) 2 | (2) 25 | (3) 1000 | (4) 3 |
|-------|--------|----------|-------|

17P/273/17

81. सामगानस्य विभागाः कति विद्यन्ते ?

- (1) 8 (2) 6 (3) 5 (4) 4

82. अधेलिखितेषु सामवेदस्य आरण्यकं किं नाऽस्ति ?

- (1) तवलकाररण्यकम् (2) छान्दोग्यारण्यकम्
(3) बृहदारण्यकम् (4) जैमिनीयोपनिषदारण्यकम्

83. सनत्कुमार-नारदसम्वादः कुत्र मिलति ?

- (1) केनोपनिषदि (2) छान्दोग्योपनिषदि
(3) प्रश्नोपनिषदि (4) माण्डूक्योपनिषदि

84. सत्यकामजाबालः कुत्र दरीदृश्यते ?

- (1) प्रश्नोपनिषदि (2) ईशावास्योपनिषदि
(3) छान्दोग्योपनिषदि (4) माण्डूक्योपनिषदि

85. सामवेदीयः प्रातिशाख्यम् कः ?

- (1) तैत्तिरीयप्रातिशाख्यम् (2) शौनकीयप्रातिशाख्यम्
(3) पुष्पसूत्रप्रातिशाख्यम् (4) अथर्वप्रातिशाख्यम्

86. शाकटायनकृतस्य ऋक्तन्त्रस्य आधारभूतो वेदः कः ?

- (1) अथर्ववेदः (2) ऋग्वेदः
(3) यजुर्वेदः (4) सामवेदः

87. आर्षेयश्रौतसूत्रस्य नामान्तरं किमस्ति ?

- | | |
|--------------------------|----------------------------|
| (1) मशकश्रौतसूत्रम् | (2) बौधयनश्रौतसूत्रम् |
| (3) लाट्यायनश्रौतसूत्रम् | (4) द्राह्यायणश्रौतसूत्रम् |

88. 'प्रज्ञानं ब्रह्म' इति महावाक्यमुपस्थापयति का उपनिषत् ?

- | | |
|-------------------|----------------------|
| (1) मुण्डकोपनिषत् | (2) छान्दोग्योपनिषत् |
| (3) प्रश्नोपनिषत् | (4) ऐतरेयोपनिषत् |

89. श्रौतसूत्राणां प्रतिपाद्यविषयः कः ?

- | | |
|------------------|----------------------|
| (1) संस्कारविधिः | (2) वैदिकयागः |
| (3) ग्रहयागः | (4) वेदिनिर्माणविधिः |

90. 'मन्त्रब्रह्मणयोर्वेदनामधेयम्' इति कस्योक्तिः ?

- | | |
|-----------------|--------------------|
| (1) आपस्तम्बस्य | (2) सायणस्य |
| (3) यास्कस्य | (4) कुमारिलभट्टस्य |

91. "इष्टप्राप्त्यनिष्टपरिहारयोरलौकिकमुपायं वेदयते स वेदः" इतीदं वचनं कस्यास्ति ?

- | | |
|--------------|--------------|
| (1) सायणस्य | (2) महीधरस्य |
| (3) उक्कटस्य | (4) मध्वस्य |

92. तलवकारारण्यके कति अध्यायाः सन्ति ?

- | | | | |
|-------|-------|-------|-------|
| (1) 3 | (2) 6 | (3) 4 | (4) 8 |
|-------|-------|-------|-------|

17P/273/17

93. इन्द्रविरोचनयोः कथा कस्यामुपनिषदि वर्णिताऽस्ति ?

- | | |
|-------------------|----------------------|
| (1) केनोपनिषदि | (2) ईशावास्योपनिषदि |
| (3) प्रश्नोपनिषदि | (4) छान्दोग्योपनिषदि |

94. 'ओङ्कार एवेदं सर्वम्' इतिवचनं कस्मिन् वेदे समुपलभ्यते ?

- | | |
|-------------|---------------|
| (1) ऋग्वेदे | (2) यजुर्वेदे |
| (3) सामवेदे | (4) अथर्ववेदे |

95. आरुणेयश्वेतकेतोः प्रवाहणजैवलेश्च दार्शनिकस्मवादमुपस्थापयति का उपनिषत् ?

- | | |
|------------------------|-----------------------|
| (1) छान्दोग्योपनिषत् | (2) ईशावास्योपनिषत् |
| (3) श्वेताश्वतरोपनिषत् | (4) बृहदारण्यकोपनिषत् |

96. त्रिभ्यो भिन्नं ब्राह्मणं किमस्ति ?

- | | |
|-----------------------|----------------------------|
| (1) उपनिषद्ब्राह्मणम् | (2) संहितोपनिषद्ब्राह्मणम् |
| (3) मन्त्रब्राह्मणम् | (4) ऐतरेयब्राह्मणम् |

97. उरुक्रमः कः ?

- | | |
|-------------|-------------|
| (1) विष्णुः | (2) रुद्रः |
| (3) इन्द्रः | (4) अश्विनौ |

98. उरुगायेत्युपाध्युपहितः कः ?

- | | |
|-------------|-------------|
| (1) वरुणः | (2) सविता |
| (3) विष्णुः | (4) इन्द्रः |

99. यास्कमतानुसारेण वृत्रस्य प्रतीकभूतः कः ?

- | | |
|-----------|---------------|
| (1) मेघः | (2) सूर्यः |
| (3) वरुणः | (4) प्रजापतिः |

100. यास्कसम्मतं निर्वचनग्रेनाऽस्ति ?

- | | |
|------------------|----------------------------|
| (1) अग्रे नयति | (2) अङ्गं नयति सन्नममानः |
| (3) अग्रणीर्भवति | (4) अग्रं यज्ञेषु प्रणीयते |

101. ऋतावरी इति कस्याः विशेषणमस्ति ?

- | | |
|------------|------------|
| (1) दितिः | (2) उषस् |
| (3) अदितिः | (4) पुथिवी |

102. यास्कमतानुसारेण देवतायाः प्रकाराः कियन्तः ?

- | | | | |
|-------|-------|-------|-------|
| (1) 6 | (2) 3 | (3) 4 | (4) 5 |
|-------|-------|-------|-------|

103. शतपथब्रह्मानुसारेण देवतानां सङ्ख्या का ?

- | | |
|--------------------|-----------------|
| (1) द्वाविंशतिः | (2) त्रिंशत् |
| (3) त्रयस्त्रिंशत् | (4) चत्वारिंशत् |

104. निरुक्तोक्तं देवतालक्षणं किमस्ति ?

- (1) त्यज्मानद्रव्ये उद्देश्यविशेषो देवता
- (2) मन्त्रस्तुत्या
- (3) लिङ्गोक्ता देवता
- (4) परोक्षप्रिया

17P/273/17

105. अन्तरिक्षास्थानीया देवता का ?

- | | |
|-----------|----------------|
| (1) द्यौः | (2) सोमः |
| (3) पूषा | (4) अपान्नपात् |

106. खादिरगृह्यसूत्रस्य प्रथमं सूत्रं किम् ?

- (1) अथ विध्यव्यपदेशे सर्वक्रत्वधिकारः
- (2) अथ कर्माणि
- (3) अथातो दर्शपूर्णमासौ व्याख्यास्यामः
- (4) अथातो गृह्या कर्माणि

107. संहितोपनिषद्ब्राह्मणे सामविकाराः कियन्त उल्लिखिताः ?

- | | | | |
|--------|--------|--------|--------|
| (1) 17 | (2) 18 | (3) 20 | (4) 22 |
|--------|--------|--------|--------|

108. सामतन्त्रानुसारं सामविकारसङ्ख्या का ?

- | | | | |
|--------|--------|--------|--------|
| (1) 32 | (2) 33 | (3) 38 | (4) 34 |
|--------|--------|--------|--------|

109. 'गीतिषु सामाख्या' इति सूत्रं कस्य ?

- | | |
|-------------|--------------|
| (1) जैमिनेः | (2) गौतमस्य |
| (3) कपिलस्य | (4) व्सासस्य |

110. सामवेदीयशुल्बसूत्राणां सङ्ख्या वक्तव्या

- | | | | |
|-------|-------|-------|-------|
| (1) 3 | (2) 2 | (3) 1 | (4) 0 |
|-------|-------|-------|-------|

111. द्राह्यायणश्रौतसूत्रस्य पटलानां सङ्ख्या का ?

- (1) 30 (2) 32 (3) 35 (4) 31

112. जैमिनीयश्रौतसूत्रस्य समग्रा अध्यापसङ्ख्या का ?

- (1) 17 (2) 18 (3) 15 (4) 10

113. भवत्रातकृता वृत्तिः कस्य श्रौतसूत्रस्य ?

- (1) लाट्यायनस्य (2) द्राह्यायणस्य
(3) जैमिनीयस्य (4) मशकस्य

114. सावमेदे कियती स्वरसङ्ख्या विद्यते ?

- (1) 4 (2) 3 (3) 7 (4) 9

115. लाट्यायनश्रौतसूत्राणां संहता सङ्ख्या का ?

- (1) 2541 (2) 2641 (3) 2352 (4) 2505

116. लाट्यायनश्रौतसूत्रे राजसूययज्ञस्य निरूपणं कस्मिन् प्रपाठकेऽस्ति ?

- (1) 9 (2) 8 (3) 5 (4) 3

117. सत्रयागस्य वर्णनं लाट्यायनश्रौतसूत्रे कस्मिन् प्रपाठके ?

- (1) 1 (2) 10 (3) 8 (4) 9

118. हविर्यागः कतिविधः ?

- (1) 5 (2) 8 (3) 7 (4) 4

17P/273/17

119. वाजपेययागस्य निरूपणं लाट्यायनीये श्रौतसूत्रे कस्मिन् प्रपाठके विहितम् ?

- (1) 3 (2) 5 (3) 8 (4) 4

120. ऐतरेयब्राह्मणानुसारं श्रौतयागानां सङ्ख्या का ?

- (1) 4 (2) 5 (3) 6 (4) 7

17P/273/17

ROUGH WORK
रफ़ कार्य

23

P.T.O.

अभ्यर्थियों के लिए निर्देश

(इस पुस्तिका के प्रथम आवरण पृष्ठ पर तथा उत्तर-पत्र के दोनों पृष्ठों पर केवल नीली-काली बाल-प्वाइंट पेन से ही लिखें)

1. प्रश्न पुस्तिका मिलने के 30 मिनट के अन्दर ही देख ले कि प्रश्नपत्र में सभी पृष्ठ मौजूद हैं और कोई प्रश्न छूटा नहीं है। पुस्तिका दोषयुक्त पाये जाने पर इसकी सूचना तत्काल कक्ष-निरीक्षक को देकर सम्पूर्ण प्रश्नपत्र की दूसरी पुस्तिका प्राप्त कर लें।
2. परीक्षा भवन में लिफाफा रहित प्रवेश-पत्र के अतिरिक्त, लिखा या सादा कोई भी खुला कागज साथ में न लायें।
3. उत्तर-पत्र अलग से दिया गया है। इसे न तो मोड़ें और न ही विकृत करें। दूसरा उत्तर-पत्र नहीं दिया जायेगा। केवल उत्तर-पत्र का ही मूल्यांकन किया जायेगा।
4. अपना अनुक्रमांक तथा उत्तर-पत्र का क्रमांक प्रथम आवरण-पृष्ठ पर पेन से निर्धारित स्थान पर लिखें।
5. उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर पेन से अपना अनुक्रमांक निर्धारित स्थान पर लिखें तथा नीचे दिये वृत्तों को गाढ़ा कर दें। जहाँ-जहाँ आवश्यक हो वहाँ प्रश्न-पुस्तिका का क्रमांक तथा सेट का नम्बर उचित स्थानों पर लिखें।
6. ओ० एम० आर० पत्र पर अनुक्रमांक संख्या, प्रश्नपुस्तिका संख्या व सेट संख्या (यदि कोई हो) तथा प्रश्नपुस्तिका पर अनुक्रमांक और ओ० एम० आर० पत्र संख्या की प्रविष्टियों में उपरिलेखन की अनुमति नहीं है।
7. उपर्युक्त प्रविष्टियों में कोई भी परिवर्तन कक्ष निरीक्षक द्वारा प्रमाणित होना चाहिये अन्यथा यह एक अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
8. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के वैकल्पिक उत्तर के लिए आपको उत्तर-पत्र की सम्बन्धित पंक्ति के सामने दिये गये वृत्त को उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर दिये गये निर्देशों के अनुसार पेन से गाढ़ा करना है।
9. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए केवल एक ही वृत्त को गाढ़ा करें। एक से अधिक वृत्तों को गाढ़ा करने पर अथवा एक वृत्त को अपूर्ण भरने पर वह उत्तर गलत माना जायेगा।
10. ध्यान दें कि एक बार स्याही द्वारा अंकित उत्तर बदला नहीं जा सकता है। यदि आप किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो संबंधित पंक्ति के सामने दिये गये सभी वृत्तों को खाली छोड़ दें। ऐसे प्रश्नों पर शून्य अंक दिये जायेंगे।
11. रफ कार्य के लिए प्रश्न-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के अंदर वाला पृष्ठ तथा उत्तर-पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ का प्रयोग करें।
12. परीक्षा के उपरान्त केवल ओ एम आर उत्तर-पत्र परीक्षा भवन में जमा कर दें।
13. परीक्षा समाप्त होने से पहले परीक्षा भवन से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।
14. यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करता है, तो वह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दंड का/की, भागी होगा/होगी।

SEAL